मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 21 जुलाई 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	21/07/15	22/07/15	23/07/15	24/07/15	25/07/15
वर्षा (मि.मी.)	**2**	1	**2**	1	**2**
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	34	34	34	34	34
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	25	26	25	25
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	5	5	6	7	7
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	84	80	86	84	88
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	42	48	50	54	55
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	10	8	8	6	5
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

आने वाले दिनो में वर्षा होने की सम्भावना को देखते हुए, जिन किसानो ने अभी तक मूंग, मोठ, ग्वार व तिल की बुवाई नही की है वे इनकी कम समय में पकने वाली किस्मों की बुवाई करें।

मूंग – आर.एम.जी–344, आर.एम.जी–268 व के–851
मोठ – आर.एम.ओ–257 व आर.एम.ओ–40
ग्वार – आर.जी.एम–112, आर.जी.सी–1002, आर.जी.सी–936 व आर.जी.सी–1003
तिल :– आर.टी–46, आर.टी–125 व आर.टी–346

बाजरा के खेत में पौधों की संख्या समान रखने के लिये अधिक पौधों को निकाले साथ ही कतारों में रिक्त स्थानों पर पौधों की रोपाई करें।

मूंग की फसल में पीली चितेरी रोग बुवाई के दो सप्ताह के अन्दर प्रकट होने लगता है रोग के प्रारम्भिक लक्षण पत्तियों पर पीले चितकबरे धब्बे के रूप मे दिखाई पड़ते है अतः रोग नियंत्र के लिए लक्षण दिखाई देने पर मेटासिस्टाक्स का 0.01 प्रतिशत या डाइमेथोएट का 0.3 प्रतिशत घोल बनाकर छिडकाव करें।

मूंगफली की फसल में टिक्का रोग बादल छाएं रहने व आर्द्रता अधिक होने की दशा में तेजी से फैलता है इसके नियंत्र के लिए दो किलो डाइथेन एम–45 प्रति हैक्टयर की दर से 1000 लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।

फलदार पौधे लगाने का यह समय उचित है तैयार गडढो मे अच्छी किस्म के पौधें लगाएं।

नमी युक्त मौसम होने के कारण पशुओं को हवादार स्थान पर रखें व आवश्यकता अनुसार पानी पिलाएं तथा हरा चारा खिलाएं।

(नौडल ऑफीसर)